Inspira- Journal of Modern Management & Entrepreneurship (JMME)
ISSN : 2231–167X, Impact Factor : 2.0778, Volume 07, No. 01, January, 2017, pp. 295-298

माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों के समायोजन का शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन

डॉ. अलका पारीक*
कुसुम गोस्वामी**

परिचय

मनुष्य ईश्वर की अदभुत कृति है। जो जीवन पर्यंत समाज व प्रकृति के साथ समायोजन करता है और आगे बढता है ।यह एक सतत प्रक्रिया है जिसमें व्यक्ति का व्यवहार प्रतिदिन बदलता रहता है । क्यों की मानव जीवन की परिस्थितियां बदलती रहती है ।बचपन से लेकर वृद्वावस्था तक मनुष्य के सम्मुख नई–नई परिस्थियां उत्पन्न होती रहती हैं । मनुष्य अपनी बुद्वि व अन्य साधनों का प्रयोग करके इन समस्याओं को सुलझाता हुआ निरन्तर आगे बढता है । अगर वह समायोजन नहीं कर पाये तो वह सामाजिक दौड़ में पिछड़ जायेगा दूसरे शब्दों में इस सतत प्रक्रिया का नाम ही जीवन है।

लारेन्स के अनुसार–समायोजन वह प्रकिया है जिसके द्वारा एक जीवित प्राणी अपनी आवश्यकताओं तुष्टि को प्रभावित करने वाली परिस्थियों में एक संतुलन बनाये रखता है ।

समायोजन की प्रकिया से प्रेरणा आरंभ होती है व प्रेरण लक्ष्योन्मुख होती है उसी के कारण व्यत्ति लक्ष्योंन्मुख कियाएं करता है। अनेक बार इन कियाओं में बाधाएं आती हैं। जिसके फलस्वरुप कुछ व्यक्ति दोगुने उत्साह से कार्य करते है तथा कुछ व्यक्ति अपनें कार्यों कों बीच में ही छोड़ देते हैं ।समायोजन की प्रकिया सार्वभौमिक है यह हमें निरन्तर उन्नति की और अग्रसर करती है।

समस्या का औचित्य

बालको की शैक्षिक उपलब्धि पर उनके समायोजन का प्रभाव किस प्रकार पड़ता है तथा वह उनकी उपलब्धि को किस प्रकार प्रभावित करता है। यह ज्ञात करने के लिए समस्या का चयन किया गया है।

समस्या कथन

माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के समायोजन का शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन।

तकनीकी शब्दों का परिभाषीकरण

समायोजन

परिस्थिति के अनुसार संशोधन व परिवर्तित व्यवहार को समायोजन कहते हैं।

* एस.एस. जैन सुबोध महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, एयरपोर्ट रोड़, सांगानेर, जयपुर, राजस्थान।
** शोधकर्त्री, शिक्षा विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान।

शैक्षिक उपलब्धि

विद्यार्थी ने ज्ञान कहाँ तक प्राप्त किया है तथा किस रूप में, इसकी जाँच करना ही शैक्षिक उपलब्धि है।

शोध अध्ययन के उद्देश्य

- माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के समायोजन का शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन करना।
- सरकारी व गैर–सरकारी शिक्षण संस्थाओं में माध्यमिक स्तर अध्ययनरत विद्यार्थियों के समायोजन का शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन करना।
- ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में अध्ययनरत विद्यार्थियों के समायोजन का शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन करना।

शोध की परिकल्पनाएँ

- माध्यमिक स्तरपर अध्ययनरत राजकीय विद्यालयों के वंचित वर्ग एवं सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों के समायोजन में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है।
- माध्यमिक स्तरपर अध्ययनरत निजी विद्यालयों के वंचित वर्ग एवं सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों के समायोजन में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है।
- माध्यमिक स्तरपर अध्ययनरत राजकीय विद्यालयों के सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों के समायोजन एवं शैक्षिकउपलब्धिमें कोई सार्थक सहसंबंध नहीं पाया जाता है।

शोधविधि

सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

शोध के चर

1. स्वतंत्र चर – समायोजन 2. आश्रितचर – उपलब्धि

न्यादर्श

शोधकार्य के लिये जयपुर जिले के 400 विद्यार्थियो को चुना गया है।

उपकरण

समायोजन के लिए ए.के. सिंह व सेन गुप्ता द्वारा निर्मित प्रश्नावली का प्रयोग किया गया है।

सांख्यिकी विधियाँ

1 मध्यमान 2 टी परीक्षण 3 सहसंबंध

शोध का परिसीमांकन

शोध कार्य हेतु जयपुर जिले को चुना गया हैं।

शोध कार्य हेतु माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत कक्षा 10 के विद्यार्थियों को लिया गया है।

परिणाम एवं व्याख्या

- माध्यमिक स्तरपर अध्ययनरत राजकीय विद्यालयों के वंचित वर्ग एवं सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों के समायोजन में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है ।

तालिका संख्या–1

समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी– अनुपात	स्वीकृत/अस्वीकृत
वंचित वर्ग के विद्यार्थी	100	97.71	22.22	4.90	अस्वीकृत
सामान्य वर्ग के विद्यार्थी	100	111.26	16.39		

0.05 स्तर पर सहसम्बन्ध मान = 1.97 स्वतंत्रता के अंश = 198

0.01 स्तर पर सहसम्बन्ध मान = 2.60

तालिका संख्या–1 माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत राजकीय विद्यालयों के वंचित वर्ग एवं सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों के समायोजन से संबंधित है। तालिका अवलोकन से ज्ञात होता है कि राजकीय विद्यालयों के वंचित वर्ग एवं सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों का मध्यमाान क्रमशः 97.71 एवं 111.26 तथा मानक विचलन क्रमशः 22.22 एवं 16.39 है तथा टी –मूल्य 4.90 प्राप्त हुआ जो कि सार्थकता के दोनों स्तरों (0.05 एवं 0.01) से अधिक है अतः परिकल्पना भमाध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत राजकीय विद्यालयों के वंचित वर्ग एवं सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों के समायोजन में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है अस्वीकृत की जाती है।

- माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत निजी विद्यालयों के वंचित वर्ग एवं सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों के समायोजन में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है ।

तालिका संख्या–2

समूह	संख्या	मध्यमान	मनक विचलन	टी–अनुपात	स्वीकृत/अस्वीकृत
वंचित वर्ग के विद्यार्थी	100	96.55	30.70	2.93	अस्वीकृत
सामान्य वर्ग के विद्यार्थी	100	108.57	27.09		

0.05 स्तर पर सहसम्बन्ध मान = 1.97 स्वतंत्रता के अंश = 198

0.01 स्तर पर सहसम्बन्ध मान = 2.60

तालिका संख्या–2 माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत निजी विद्यालयों के वंचित वर्ग एवं सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों के समायोजन से संबंधित है। तालिका अवलोकन से ज्ञात होता है कि निजी विद्यालयों के वंचित वर्ग एवं सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों का मध्यमाान क्रमशः 96.55 एवं 108.57 तथा मानक विचलन क्रमशः 30. 70 एवं 27.09 है तथा टी –मूल्य 2.93 प्राप्त हुआ जो कि सार्थकता के दोनों स्तरों (0.05 एवं 0.01) से अधिक है । अतः परिकल्पनाा भमाध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत निजी विद्यालयों के वंचित वर्ग एवं सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों के समायोजन में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है अस्वीकृत की जाती है।

- माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत राजकीय विद्यालयों के सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों के समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक सहसंबंध नहीं पाया जाता है।

तालिका संख्या –3

समूह	संख्या	सह–सम्बन्ध गुणांक	सार्थकता का स्तर
राजकीय विंद्यालयों के सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों के समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि में सम्बन्ध	100	–0.18	0.01 स्तर पर असार्थक

0.05 स्तर पर सहसम्बन्ध मान = 0.17 स्वतंत्रता के अंश = 98

0.01 स्तर पर सहसम्बन्ध मान 0.23

तालिका संख्या –3 माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत राजकीय विद्यालयों के सामान्य वर्ग विद्यार्थियों के समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि के सहसंबंध से संबंधित है। तालिका अवलोकन से ज्ञात होता है कि साान्य वर्ग के विद्याथियों के समायोजन एव शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसंबंध गुणांक –0.18 प्राप्त हुआ है जो कि ऋणात्मक सह–सम्बन्ध है। यह मान 0.05 एवं 0.01 सार्थक स्तर के सारणीगत मान 0. 17 एवं 0.23 से कम है। अतः परिकल्पना भमाध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत राजकीय विद्यालयों के सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों के समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक सहसम्बन्ध नहीं पाया जाता है स्वीकृत की जाती है।

निष्कर्ष

- माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत निजी विद्यालयों के वंचित वर्ग एवं सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों के समायोजन में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है" अस्वीकृत की जाती है।
- माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत निजी विद्यालयों के वंचित वर्ग एवं सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों के समायोजन में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है" अस्वीकृत की जाती है।
- माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत राजकीय विद्यालयों के सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों के समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धिमें कोई सार्थक सहसंबंध नहीं पाया जाता है। स्वीकृत की जाती है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. कोठारी डी. एस–शिक्षा और राष्ट्रीय (1964–66),शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली, (1968)
2. श्रीमाली के.एल (1961)–प्राब्लम्स ऑफ ऐज्यूकेशन इन इंडिया, नई दिल्ली पब्लिकेशन डिविजन।
3. मुगल, एस. के. शिक्षा मनोविज्ञान, प्रिंटर्स हॉल ऑफ इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड, 2008।
4. कौल, लोकेश, शैक्षिक अनुसंधान की कार्यप्रणाली, विकास पब्लिशिंग हाउस प्रा. लि. नोएडा, नई दिल्ली, 2008।
5. कपिल.एच.के ,अनुसंधान विधियां एच,पी भार्गव बुक हाउस, आगरा ।

□□□